ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 18-07-2023

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-18 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-19	2023-07-20	2023-07-21	2023-07-22	2023-07-23
वर्षा (मिमी)	60.0	20.0	30.0	70.0	70.0
अधिकतम तापमान(से.)	18.0	20.0	22.0	22.0	21.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	15.0	16.0	16.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	90	95	95	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	75	65	75	80
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	6	5	5	5
पवन दिशा (डिग्री)	70	70	70	70	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	7	7	8	7

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में 18 से 22 जुलाई तक 20-70 मिमी तक हल्की से भारी बारिश होने की संभावना है. अधिकतम और न्यूनतम तापमान 18.0 से 22.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस के बीच हो सकता है। हवा का 5.0-6.0 किमी/घंटा की गति से पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से चलने की सम्भावना है । चेतावनी: जिले में 18 और 21 जुलाई के लिए भारी से बहुत भारी बारिश, गर्जन के साथ बिजली चमकना और तीव्र बारिश के संबंध में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि 19, 20 और 22 जुलाई को गर्जन के साथ बिजली चमकना और तीव्र बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान आदि की जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें तथा बिजली संबंधी जानकारी पाने के लिए "दामिनी ऐप" डाउनलोड करें। मेघदूत और दामिनी ऐप्स गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है । इससे किसानो को कृषि कार्यों में निर्णय लेने में मदद मिलेगी और आम इंसान जान-माल की क्षति से बच सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

जिले में हल्की से भारी वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और सभी कृषि कार्यों को पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	रोपाई इसी महीने में पूरी कर ली जानी चाहिए और 10 दिन के अंदर प्लॉटों में मारे तथा खली जगहों पर फिर से रोपाई कर लेनी चाहिए। किसी भी प्रकार के खरपतवारनाशी का प्रयोग पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही करना चाहिए।
मक्का	पूर्वानुमान के अनुसार खेत में उचित जल निकास की व्यवस्था करनी चाहिए तथा जून माह में बोई गई फसल में सिंचाई से बचना चाहिए।
सोयाबीन	खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था करनी चाहिए।
मूँग	मूंग की बुवाई माह के द्वितीय पखवाड़े में मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	पके हुए टमाटर की तुड़ाई करनी चाहिए तथा उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए।
शिमला मिर्च	पके हुए शिमला मिर्च की तुड़ाई करनी चाहिए तथा उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए।
बैंगन	पके हुए बैंगन की तुड़ाई करनी चाहिए तथा उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए।
मिर्च	खेत में उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए और किसी भी प्रकार के रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।
सेम की फली	खेत में उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए और किसी भी प्रकार के रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	जुलाई एवं अगस्त महीना गाय/भैंसों भैं सोंकी सों सों ब्याने का समय होता है अतः प्रसव प्रकोष्ठ को साफसुथरा करके इस्तेमाल हेतु तैयार रखें। प्रसव के तुरन्त बाद नवजात बच्चे की साफ-सफाई कर उसकी नाभी को धागे से बांधकर किसी साफ चाकू या ब्लेड से काटकर उस पर जैन्सन वायलेट पेन्ट अथवा टिंचर आयोडीन लगाना चाहिए। पशु को ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए। मानसून के दौरान, मवेशियों को शेड में ही रखा जाना चाहिए और रोगाणु/जीवाणु से बचने के लिए नियमित सफाई की जानी चाहिए।
भेंस	जुलाई एवं अगस्त महीना गाय/भैंसों भैं सोंकी सों सों ब्याने का समय होता है अतः प्रसव प्रकोष्ठ को साफसुथरा करके इस्तेमाल हेतु तैयार रखें। प्रसव के तुरन्त बाद नवजात बच्चे की साफ-सफाई कर उसकी नाभी को धागे से बांधकर किसी साफ चाकू या ब्लेड से काटकर उस पर जैन्सन वायलेट पेन्ट अथवा टिंचर आयोडीन लगाना चाहिए। पशु को ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए। मानसून के दौरान, मवेशियों को शेड में ही रखा जाना चाहिए और रोगाणु/जीवाणु से बचने के लिए नियमित सफाई की जानी चाहिए।